

11/11/14

प्रजापति प्राणी जगत्पति ह्यहम् इति जगति स्वीकृतं  
 श्री सांगमाल सामल के ज्ञान तन्वी प्रथ  
 त्वं नृ प्रवृत्त दुर्गा परीक्षण सांगमाल ह्यहम्  
 व मंगलचंद्र ह्येन व कर्कश सांगमाली का  
 मनुं प्रजापति ह्यहम् अर्पण नमः प्रथ  
 का निवेदन किया है कि परमेश्वर है। काका की सेवा  
 मध्य कष्टी राक्षसीनाम ह्येन नृ  
 नरक आगे चलाना नही चाहते है मंगलचंद्र  
 कृष्ण नोट प्रथ के कर्कश ज्ञान  
 जगदी परीक्षण कर्कश के प्रथ  
 कर्कश कर्कश श्री सांगमाल सामल  
 ज्ञान श्री जगदी। अः कर्कश के निवेदन  
 प्रथ कर्कश नोट प्रथ के कर्कश  
 कि जगदी के कर्कश प्रथ के कर्कश  
 कर्कश प्रथ ह्येन नरक के कर्कश  
 जगदी

काका की सेवा

मंगलचंद्र

g. k. k. k. k.

11/11/14

उपस्थान अधिकारी  
वाटाराभाद